ब्रिटेन में फंसे भारतीय छात्रों ने मोदी से की बाहर निकालने की अपील

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में फंसे भारतीय छात्रों ने उन्हें भारत लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से विमान की व्यवस्था कराने की अपील की है। करीब 380 भारतीय छात्रों ने भारत सरकार से सामूहिक अपील करने के लिए ही अपने पासपोर्ट की जानकारी भी साझा की है। इन छात्रों में केरल के मरीज इंजीनियरों का एक दल भी शामिल है, जिसे इस सप्ताह अपनी परीक्षाएं देने के बाद भारत लौटना था। भारत ने कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए 14 अप्रैल तक विमान सेवाओं पर प्रतिबंध लगा रखा है।

एनवाईके शिप मैनेजमेंट में फर्स्ट इंजीनियर अखिल धर्मराज ने कहा, 'हमारी 23 और 24 मार्च को परीक्षाएं होनी थीं। 23 तारीख को परीक्षा केंद्र में प्रश्न पत्र मिलने के बाद परीक्षाएं रद कर दी गईं। इसी दौरान भारत ने भी यात्रा प्रतिबंध लगा दिया। हम अपार्टमेंट और हॉस्टल में अलग-अलग रह रहे हैं। हमारे पास मास्क, दस्ताने और सैनिटाइजर भी नहीं हैं, जिसके चलते हम सभी को इस जानलेवा वायरस के संपर्क में आने का खतरा बना रहता है। मुझे कोचीन एयरपोर्ट से पता चला है कि हाल में सिडनी से भारतीय नागरिकों को लेकर एक विमान उतरा है। भारतीयों को अन्य देशों से निकाला जा रहा है लेकिन पता नहीं हमें क्यों छोड़ दिया गया।'

380 छात्रों ने पासपोर्ट की जानकारी भी साझा की

प्रतीकात्मक

जॉनसन ने लोगों से की घर में रहने की अपील : कोरोना वायरस से संक्रमित ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देश के तीन करोड़ परिवारों को पत्र लिखकर घर में ही रहने की अपील की है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट इस पत्र में उन्होंने कहा, 'हमें पता है कि चीजें बेहतर होने से पहले खराब होंगी, लेकिन हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। जितना अधिक हम नियमों का पालन करेंगे उतना ही कम नुकसान होगा और जल्द ही जीवन सामान्य हो जाएगा। मैं जानता हूं कि प्रतिबंधों के चलते आपको कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन महामारी को फैलने से रोकने के लिए यह आवश्यक है। संक्रमण का पता चलने के बाद से जॉनसन आइसोलेशन में हैं।

हेरात-जलालाबाद से भारत ने कर्मचारियों को भेजा काबुल

नई दिल्ली, प्रेट्र : अफगानिस्तान में भी कोरोना वायरस का तेजी से प्रसार हो रहा है। इसको देखते हुए भारत ने हेरात और जलालाबाद में अपने वाणिज्य दूतावास से राजनयिकों और कर्मचारियों को काबुल भेज दिया है। अफगानिस्तान की बहुत बड़ी सीमा ईरान से लगती है, जहां कोरोना वायरस ने कहर बरपा रखा है और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग वहां से लौट रहे हैं।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि एहतियात के तौर पर इन दोनों वाणिज्य दूतावासों से सभी भारतीय कर्मचारियों को काबुल भेजा गया है। हेरात और जलालाबाद में चिकित्सा सुविधाएं भी बेहतर नहीं हैं।

कोरोना से त्रस्त ईरान से लगती है हेरात की सीमा, बड़ी संख्या में लौट रहे हैं अफगानी

इसको देखते हुए भी भारत ने अपने कर्मचारियों को वहां से हटाने का फैसला किया। अफगानिस्तान सरकार के मुताबिक कोरोना वायरस से वहां 110 लोग संक्रमित हुए हैं। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक वास्तविक संख्या बहुत ज्यादा है, क्योंकि वहां के कई प्रांतों में न तो लैब है और न ही जांच की सुविधा ही मौजूद है। अफगानिस्तानी मीडिया के मुताबिक कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों में दो विदेशी राजनयिक और नाटो के चार अधिकारी भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि काबुल में भी भारतीय राजनयिकों और सभी कर्मचारियों से वायरस से बचाव के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। इसमें ड्यूटी में कटौती भी शामिल है।

गौरतलब है कि हेरात प्रांत की सीमा भी ईरान से लगती है। इसके अलावा ईरान में कोरोना वायरस का प्रकोप फैलने के बाद से बड़ी संख्या में अफगानी वहां से लौट भी रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक ईरान में कोरोना वायरस से अब तक ढाई हजरा से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 35 हजार से ज्यादा संक्रमित हुए हैं।

चीन के महामारी से जुड़े आंकड़े सवालों के घेरे में

दूरी बनाए रखें : विश्व के अधिकांश देशों में फैल चुके कोरोना वायरस का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि लोग काफी सावधानी व सतर्कता बरते रहे हैं। यह तस्वीर हांगकांग के स्टारबक कॉफी शॉप की है, जहां कोरोना संक्रमण से बचने के लिए शारीरिक दूरी का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। यहां सभी टेबल पर टेप लगा दी गई हैं। एपी

वुहान, एएनआइ : कोरोना महामारी से जुड़े चीन के आंकड़ों पर संदेह गहराता जा रहा है। वुहान के शवदाह गृहों के बाहर अपने प्रियजनों की अस्थियां लेने के लिए लंबी कतारें लगी हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में इस महामारी से कितने लोगों की मौत हुई?

चीन के एक मीडिया संस्थान कैक्सिन ने एक तस्वीर जारी की है, जिसमें कई ट्रक 2500 अस्थि कलश लेकर पिछले सप्ताह एक शवदाह गृह से निकलते दिख रहे हैं।

एक अन्य तस्वीर में दिखाया गया है कि 3,500 अस्थि कलश शवदाह गृह में रखे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शवदाह गृह में काम करने वाले कर्मचारियों ने यह बताने से इन्कार कर दिया कि अभी कितने अस्थि कलश परिजनों को दिए जाने बाकी हैं। कुछ लोगों ने शिकायत की है कि उन्हें अपने प्रियजनों की अस्थियां लेने के लिए कई घंटों तक जानबूझकर इंतजार कराया जा रहा है।

चीन की सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वुहान में 2,535 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है। लेकिन लोगों को इस आंकड़े पर संदेह है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने वुहान के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। इन लोगों का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान ऐसे भी कई लोगों की मौत हुई है, जिनमें कोरोना के लक्षण तो थे, लेकिन उनका टेस्ट नहीं किया गया। इस दौरान उचित उपचार की कमी के चलते भी कई लोगों की मौत हो गई क्योंकि डॉक्टर महामारी के चलते उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे सके। शहर की सिविल अफेयर्स एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार 2019 की चौथी तिमाही में वुहान में 56,007 अंतिम संस्कार हुए। यह संख्या 2018 की चौथी तिमाही के मुकाबले 1,583 और 2017 की चौथी तिमाही की तुलना में 2,231 ज्यादा थी। बता दें कि चीन के वुहान शहर में ही कोरोना का मामला सबसे पहले प्रकाश में आया था।

प्रियजनों की अस्थियां लेने को लगी लंबी कतारें

ज्यादातर पर्यटन स्थल खुले

दो महीने के लॉकडाउन के बाद चीन में ज्यादातर पर्यटन स्थलों को फिर खोल दिया गया है। चीनी विचारक कंफ्यूशियस के गृहनगर कुफू को भी आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। लेकिन भ्रमण के दौरान पर्यटकों को मास्क पहनना होगा और प्रवेश करते समय उनका तापमान भी लिया जाएगा। वुहान में मेट्रो सेवा भी शुरू कर दी गई है।

संक्रमण के 45 नए मामले

कोरोना संक्रमण से चीन में शनिवार को पांच और लोगों की मौत हो गई। यह सभी मौतें वुहान में हुईं। लेकिन राहत की बात यह है कि पिछले दस दिनों में वुहान में संक्रमण का एक ही मामला सामने आया है। शनिवार को देशभर में संक्रमण के 45 नए मामले दर्ज किए गए। चीन में अब तक 3,300 लोगों की मौत हो चुकी है।

स्पेन और इटली ने मांगी ईयू से मदद

कोरोना का कहर ▶ दुनिया में वायरस से मरने वालों का आंकड़ा पहुंचा 31920

इटली के पीएम बोले-मदद के लिए अंतिम समय तक प्रयास करता रहूंगा

बार्सीलोना, एजेंसियां : कोरोना वायरस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित स्पेन और इटली ने यूरोपीय यूनियन (ईयू) से मदद मांगी है। रविवार को दुनिया में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 31,920 पर पहुंच गया है। इनमें से दो-तिहाई मौतें यूरोप में हुई हैं। पिछले चौबीस घंटे में स्पेन में 838 लोगों की जान गई है।

इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने शनिवार देर शाम कहा कि यूरोप को शेष दुनिया को यह बताना होगा कि वह इस खराब समय का मुकाबला करने में सक्षम है। मैं यूरोपीय यूनियन से मदद के लिए अंतिम समय तक प्रयास करता रहूंगा। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने भी यूरोपीय यूनियन के 27 देशों से मदद का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, 'अपनी स्थापना के बाद से ईयू सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। हम सभी को इस चुनौती के लिए तैयार रहना होगा। बता दें कि स्पेन, इटली, फ्रांस सहित ईयू के छह अन्य देशों ने ईयू से कोरोना बांड जारी करने को कहा है। यह भी एक तरह का कर्ज होगा, जिसे बाजार में बेचकर महामारी से लड़ रहे देश पैसा पा सकेंगे। हालांकि इन देशों के इस विचार से जर्मन और नीदरलैंड जैसे देश सहमत नहीं हैं। उधर, महामारी से निपटने में जरूरी सामानों की कमी भी आड़े आ रही है। मिलान, मैड्रिड और मिशिगन जैसी जगहों पर डॉक्टरों को वेंटीलेटर की कमी से जूझना पड़ रहा है।

बर्फबारी के बीच रविवार को फ्रांस के मेट्ज शहर से एक कोरोना वायरस पीड़ित को मिलिट्री हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर जर्मनी के एस्सेन शहर स्थित यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। एपी

तीन दिन में अमेरिका में एक हजार से ज्यादा मौतें : अमेरिका में मृतकों की संख्या 2,231 हो गई है। तीन दिन पहले यह आंकड़ा एक हजार से कम था। एक चौथाई मौतें (517) अकेले न्यूयॉर्क में हुईं हैं। संक्रमित लोगों की संख्या 1,23,828 हो गई है। डेट्रायट, न्यू आर्लियांस और शिकागो महामारी का नया केंद्र बनकर उभरे रहे हैं। हालत यह है कि अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। ट्रंप ने न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कनेक्टिकट के कुछ हिस्सों में दो सप्ताह तक लॉकडाउन की बात पर विचार करने की बात कही है। हालांकि सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने न्यूयॉर्क के लोगों से गैर जरूरी कामों से घरों से नहीं निकलने की अपील की है। उधर, ट्रंप के न्यूयॉर्क को लॉकडाउन करने वाले बयान पर वहां के गवर्नर ने नाखुशी जताई है। उन्होंने कहा कि वह इससे सहमत नहीं हैं और ना ही इस पर उनकी कोई राय ली गई है।

ये हालात लंबा चलेंगे : रूहानी : ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने रविवार को कहा कि महामारी से उपजे हालातों में हाल-फिलहाल कोई राहत नहीं मिलेगी। मौजूदा समय में जीवन जीने का जो तरीका है वह लंबा चलेगा।

वायरस से स्पेन की राजकुमारी की मौत

स्पेन की राजकुमारी मारिया टेरेसा का कोरोना वायरस से शुक्रवार को निधन हो गया है। 86 साल की राजकुमारी मारिया स्पेन के राजा फिलिप छठे की चचेरी बहन थीं। उनके छोटे भाई राजकुमार सिक्टस एनरिक डे बोरबोन ने फेसबुक पर राजकुमारी के निधन की सूचना दी। बता दें कि स्पेन के राजा फिलिप छठे के कोरोना नेगेटिव आने के कुछ सप्ताह बाद राजकुमारी टेरेसा के निधन की सूचना आई है। 28 जुलाई 1933 को जन्मीं राजकुमारी मारिया की पढ़ाई फ्रांस में हुई थी और पेरिस के विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की प्रोफेसर बनीं।

कोविड-19 का असर

- मिस्र ने अपने समुद्र तटों को बंद कर दिया है।
- पोलैंड 10 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को टालने पर विचार कर रहा है।
- रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने सोमवार से देश की सीमाओं को बंद करने का आदेश दिया है।
- वियतनाम ने घरेलू उड़ानों की संख्या में कटौती का फैसला किया है।
- ब्रिटेन में 108 वर्षीय महिला हिल्डा चर्चिल की कोरोना से मौत हो गई।
- श्रीलंका में शनिवार को कोरोना संक्रमण से पहली मौत हुई।
- न्यूजीलैंड में रविवार को कोरोना से पहली मौत रिकॉर्ड की गई।
- जर्मनी की चासंलर एंजेला मर्केल ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लोगों से कम से कम बाहर निकलने की अपील की है।
- जापान की राजधानी टोक्यो स्थित एक दिव्यांग केंद्र में 28 कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आए हैं।

देश	मौतें	संक्रमित
इटली	10,023	92,472
स्पेन	6,528	78,797
चीन	3,300	81,439
ईरान	2,640	38,309
अमेरिका	2,231	1,23,828
फ्रांस	2,314	37,575
ब्रिटेन	1,235	19,522

स्वीडन में लॉकडाउन का असर नहीं

स्टॉकहोम, एपी : स्टॉकहोम की सड़कें शांत हैं, लेकिन सुनसान नहीं। स्वीडन की राजधानी के केंद्र में अब भी लोग कैफे में बैठते हैं। विक्रेता अब भी फूल बेचते हैं। किशोर पार्कों में समूह में बातचीत करते हैं। कुछ अब भी एक-दूसरे को गले लगाते हैं और हाथ मिलाते हैं। लंबे समय बाद स्कैंडिनेवियाई सर्दियों में कोरोना वायरस महामारी के बावजूद स्वीडन के लोग घरों में नहीं रह रहे हैं, जबकि दुनिया के कई हिस्सों में नागरिक जगह-जगह शरण ले रहे हैं। कुछ अवसरों को छोड़कर उन्हें दुकानें भी खुली नहीं मिल रही हैं।

स्वीडिश अधिकारियों ने जनता को सलाह दी है कि यदि संभव हो तो वे सामाजिक दूरी बनाए रखें और घर से काम करें। एहतियात के तौर पर 70 साल से अधिक उम्र के लागों को सेल्फ आइसोलेशन का सुझाव दिया गया है। फिर भी दुनिया में कहीं और लगाए गए लॉकडाउन की तुलना में यहां की सरकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता की ज्यादा अनुमति देती है। स्वीडन में बार पर खड़े होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन रेस्टोरेंट के ग्राहकों को भोजन जाकर लेने के बजाय टेबल पर खाना परोसा जा सकता है।

उड़ान भरते विमान में लगी आग, आठ की मौत

मनीला, एपी : फिलीपींस की राजधानी मनीला के हवाई अड्डे से जापान के लिए रवाना हो रहे एक विमान में उड़ान भरने के दौरान अचानक आग लग गई, जिससे इस विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है।

मनीला एयरपोर्ट के जनरल मैनेजर एड मोनरीयल ने रविवार को बताया कि हादसे के शिकार हुए इस विमान में छह चालक दल के सदस्य थे और दो यात्री सवार थे। यह विमान एक चिकित्सा अभियान पर जापान की राजधानी टोक्यो से एक मरीज को लेने जा रहा था। उन्होंने कहा कि रनवे से उड़ान भरते वक्त हुए हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि विमान में दो लोग विदेशी नागरिक थे। एक अमेरिकी और एक कनाडाई था। शेष फिलीपींस के ही नागरिक थे। हादसा होने पर आग बुझाने के लिए अग्निशमन दल और बचाव दल के लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए। फिलीपींस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने बताया कि हादसे का शिकार हुआ विमान अगस्ता डब्लूडब्लू24 है।

अभी और कठिन समय के लिए तैयार रहें : जॉनसन

बोरिस जॉनसन। फाइल

लंदन, प्रेट्र : कोरोना संक्रमण की पुष्टि के बाद आइसोलेशन में रह रहे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने देश के नागरिकों को पत्र लिखकर घर में ही रहने और शारीरिक दूरी के नियम का पालन करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने लोगों से अभी और कठिन समय के लिए तैयार रहने की भी बात कही है।

करीब तीन करोड़ परिवारों को भेजे गए पत्र में जॉनसन कहा है कि वह कड़े उपायों को लागू करने में भी परहेज नहीं करेंगे। इन परिवारों को पत्र के साथ एक पत्रक भी भेजा गया है, जिसमें दिशा-निर्देशों का उल्लेख है। उन्होंने पत्र में लिखा, 'हम जानते हैं कि स्थितियां खराब होती जा रही हैं, लेकिन हम उचित उपाय कर रहे हैं। हम नियमों का जितना पालन करेंगे, उतनी ही मौतें कम होंगी और सामान्य हालात की ओर लौटना सहज होगा।'

कोरोना के ठीक हुए मरीज का खून गंभीर रूप से संक्रमित रोगी पर चढ़ाया गया

ह्यूस्टन, प्रेट्र : अमेरिका के डॉक्टर कोरोना वायरस के संक्रमण का इलाज करने के लिए एक नए तरीके पर काम कर रहे हैं। ह्यूस्टन मेथडिस्ट हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने कोरोना संक्रमण से ठीक हुए एक मरीज का खून इस बीमारी से गंभीर रूप से पीड़ित एक रोगी को चढ़ाया है। ऐसा प्रयोग करने वाला यह अमेरिका का पहला अस्पताल बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, घातक कोरोना से दो हफ्ते से अधिक समय तक लड़कर स्वस्थ्य हो रहे एक व्यक्ति ने ब्लड प्लाज्मा कोनवालेस्सेंट सीरम थेरेपी के लिए दान दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, माना जा रहा है कि इलाज का यह तरीका साल 1918 के स्पैनिश फ्लू महामारी के समय का है। मेथडिस्ट्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक डॉ. एरिक सलाजार ने अपने बयान में कहा कि कोनवालेस्सेंट सीरम थेरेपी कोरोना के इलाज का एक कारगर तरीका हो सकता है। हालांकि, अभी चल रहे नैदानिक परीक्षणों में थोड़ा समय लग सकता है लेकिन उनके पास इतना वक्त नहीं है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाज के इस तरीके को इस हफ्ते के अंत में तेजी से इस्तेमाल किया गया। मेथडिस्ट्स रिसर्च इंस्टीट्यूट ने 250 मरीजों से ब्लड प्लाच्मा लिया है जो वायरस से पीड़ित हुए थे। अस्पताल के अध्यक्ष एवं सीईओ मार्क बूम ने कहा कि इस बीमारी के बारे में जानने के लिए बहुत कुछ है। यदि इस थेरेपी से संक्रमण से जूझ रहे लोगों को बचाने में मदद मिलती है तो हमारे द्वारा हमारे ब्लड बैंक और हमारे शैक्षणिक चिकित्सा के पूर्ण संसाधनों को प्रयोग में लेना एक सार्थक कदम होगा।

वायरस से संक्रमित कनाडाई पीएम की पत्नी हुईं ठीक

टोरंटो, एपी : कोरोना वायरस से संक्रमित कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की पत्नी सोफी ग्रेगोर अब पूरी तरह स्वस्थ हो गई हैं। गत 12 मार्च को चिकित्सकीय जांच में उन्हें कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। पीएम ट्रूडो और उनके तीन बच्चों का टेस्ट निगेटिव रहा था। एहतियात के तौर पर पीएम के परिवार के सभी सदस्य घर में ही अलग-अलग रह रहे हैं। पत्नी के स्वस्थ होने पर खुशी जताते हुए ट्रूडो ने लोगों की दुआओं पर अपना आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह घर से ही सारे काम निपटा रहे हैं। इस तरह वह देश की जनता के सामने मिशाल पेश करना चाहते हैं कि घर से काम पूरा कर पाना संभव है। कनाडा में कोरोना के अब तक पांच हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 61 की मौत हो चुकी है, जबकि 445 मरीज ठीक भी हुए हैं।

इजरायल में गठबंधन सरकार का बनना लगभग तय

बेनी गेंट्ज(बाएं), बेंजामिन नेतन्याहू। फाइल

यरुशलम, एएफपी : इजरायल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और एक समय उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे बेनी गेंट्ज ने आपातकालीन सरकार के गठन में महत्वपूर्ण प्रगति होने की घोषणा की है। दोनों नेताओं ने रविवार को इस सिलसिले में विस्तृत वार्ता की। इस मिली-जुली सरकार का गठन कोरोना वायरस के जारी प्रकोप को देखते हुए किया जा रहा है। महज 87 लाख की आबादी वाले इजरायल में कोरोना पीड़ित लोगों की संख्या तीन हजार के पार चली गई है।

इजरायल में साल भर में तीन चुनाव होने के बाद किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। बीते हफ्ते अरब पार्टियों ने गेंट्ज की ब्लयू एंड व्हाइट पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। इससे 120 सदस्यों वाली संसद नीसेट में गेंट्ज के समर्थक सदस्यों की संख्या 62 हो गई थी। राष्ट्रपति ने भी गेंट्ज को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर लिया था। लेकिन इसी बीच देश में कोरोना वायरस का प्रभाव बढ़ गया और विपक्षी एकता में भी फूट पड़ गई। इसके बाद नेतन्याहू ने अपने सेना प्रमुख रहे गेंट्ज की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। इसका नतीजा यह हुआ कि बीते गुरुवार को संसद के स्पीकर के चुनाव में गेंट्ज को नेतन्याहू की लिकुड पार्टी का समर्थन मिला और वह निर्विरोध स्पीकर बन गए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच गठबंधन सार्वजनिक हो गया। इसमें नेतन्याहू को इजरायल का प्रधानमंत्री बने रहना था। दोनों पार्टियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया है कि शनिवार-रविवार की पूरी रात चली दोनों नेताओं की वार्ता में सरकार के गठन पर सहमति बन गई है। एक समय गेंट्ज की समर्थक रहीं तेलेम पार्टी और येश अतीद पार्टी ने उन पर नेतन्याहू से लड़े बगैर ही उनके सामने समर्पण करने की बात कही है।

दिखाई ताकत

230 किलोमीटर की दूरी तक कर सकती हैं मार, दक्षिण कोरिया ने परीक्षण को पूरी तरह अनुचित बताया

उ. कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण

सियोल, एपी : एक तरफ पूरी दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही है, वहीं उत्तर कोरिया ने रविवार को दो संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलों का समुद्र में परीक्षण किया। परीक्षण पर एतराज जताते हुए दक्षिण कोरिया ने इसे पूर्णतया अनुचित बताया है।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा, 'रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर वोनसान से निकली मिसाइलें कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरती देखी गईं। इनकी अधिकतम ऊंचाई 30 किलोमीटर थी और समुद्र में गिरने से पहले इन मिसाइलों ने लगभग 230 किलोमीटर की दूरी तय की। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खुफिया अधिकारी इस परीक्षण पर नजर रख रहे हैं। दक्षिण कोरिया की सेना ने इसे अनुचित बताने के साथ ही उत्तर कोरिया से महामारी के इस दौर में परीक्षण रोकने का आग्रह किया है।

कुछ दिनों पहले भी उत्तर कोरिया ने कुछ मिसाइलों का परीक्षण किया था। इसे अमेरिका के साथ रुकी हुई वार्ता को फिर से शुरू करने के दबाव के तौर पर देखा जा रहा था। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया ने जानकारी दी थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किम जोंग उन को एक पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों को बनाए रखने और महामारी के प्रकोप से लड़ने में सहयोग की पेशकश की थी। उत्तर कोरिया यह दावा करता रहा है कि उसके देश में कोरोना का एक भी मामला सामने नहीं आया है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया दुनिया को सच नहीं बता रहा।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी शहर वोनसान से कम दूरी की दो मिसाइलें जापानी सागर में दागी। दक्षिण कोरिया के सियोल में रविवार को टीवी पर प्रसारण देखती युवती। एएफपी

वेनेजुएला के पूर्व जनरल समेत कई अधिकारियों ने किया समर्पण

बोगोटा, एएफपी : अमेरिका द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद के मामलों में आरोपित वेनेजुएला की सेना के पूर्व जनरल और कुछ अन्य अधिकारियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। पूर्व जनरल और अधिकारियों ने अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष कोलंबिया में समर्पण किया। इन सभी को इसी सप्ताह अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ नशीले पदार्थों के जरिये आतंक फैलाने के मामले में आरोपी बनाया है।

कोलंबिया के अभियोजक ने बताया है कि पूर्व जनरल क्लीवर अकाला ने अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष समर्पण किया। वह उन 14 अधिकारियों और पूर्व अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिका ने आरोपी बनाया है।

अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी के विषय में महत्वपूर्ण सूचना देने के लिए डेढ़ करोड़ डॉलर (110 करोड़ रुपये) का इनाम भी रखा है। अकाला की गिरफ्तारी पर भी अमेरिका ने एक करोड़ डॉलर (करीब 75 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित कर रखा था। वह दो साल से कोलंबिया के उत्तरी भाग में स्थित बैरेंकिला शहर में रह रहे थे। उन्हें खास विमान से न्यूयॉर्क भेजा गया है, जहां उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते कोलंबिया में तालाबंदी चल रही है। राष्ट्रपति इवान डंक ने अकाला को ले जाने वाले विमान को उड़ान भरने की विशेष अनुमति दी थी। अकाला ने कहा है कि वह खुद पर लगे आरोपों का पूरी सच्चाई के साथ सामना करेंगे। कोलंबिया स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस प्रकरण पर कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया है।

अमेरिका ने मादुरो के साथ इन्हें किया था नशीले पदार्थ के जरिये आतंक फैलाने में आरोपित